गुरुवार, 5 जून 2025
वर्ष 6, अंक 195, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

जीवन का लक्ष्य तलाशें, तभी मिलेगी खुशी : सुंदर गोपाल प्रभु

• एसआरएमएस में सफलता क्या है और क्यों इसे कुछ लोग ही हासिल कर पाते हैं विषय पर व्याख्यान

बरेली,अमृत विचार : अलग-अलग व्यक्तियों के लिए सफलता के मायने अलग- अलग हैं। कोई धन- संपत्ति को सफलता मानता है तो कोई बड़े पद को। आप कुछ भी हो, किसी भी पद पर हो, आपके पास कितना भी पैसा और प्रभाव हो, लेकिन अगर खुशी नहीं है तो उसे सफल नहीं कहा जा सकता। ज्यादातर लोग शारीरिक रूप से हासिल भौतिक उपलब्धियों को सफलता मान लेते हैं, लेकिन यह वास्तव में सफलता नहीं है। यह बात श्रीराम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में बुधवार को आयोजित ''''सफलता क्या है और क्यों इसे कुछ लोग ही

कार्यक्रम की शुरुआत करते गुरु सुंदर गोपाल प्रभु।

हासिल कर पाते हैं'''' विषय पर यह बातें इस्कॉन इंडिया यूथ काउंसिल के अध्यक्ष आध्यात्मिक गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने कही।

सुंदर गोपाल प्रभु ने इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल, पैरामेडिकल, नर्सिंग और लॉ के विद्यार्थियों को सफलता के निहितार्थ बताया। उन्होंने कहा कि सफलता से पहले हमें समझना पड़ेगा कि यह है क्या। क्योंकि हर व्यक्ति के लिए सफलता अलग- अलग है। अगर सफलता एक ही तरह की होती तो सभी सफल हो जाते, लेकिन ऐसा है नहीं, क्योंकि कुछ लोग ही सफल हैं। ज्यादातर लोग लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करते हैं, समाज इसे सफलता हासिल करना कहता है और यह सफलता का सामान्य नियम है भी। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों दो खबरों पर आप लोगों ने भी गौर किया होगा। जिसमें एक खबर करियर में सफल एक आईएएस ने आत्महत्या की थी तो दूसरी एक सफल बिजनेसमैन के आत्महत्या की। क्या इनके पास धन-सम्पत्ति और रुतबा नहीं था। सब कुछ था इनके पास, लेकिन नहीं थी तो खुशी। सिर्फ पैसा हासिल करना, करियर में सफल होना सफलता नहीं। खुशी सबसे महत्वपूर्ण है। खुशी के लिए परिवार के साथ सकारात्मक संबंध होना जरूरी है। इस मौके पर इस्कॉन बरेली के जीएम भीमा अर्जुनदास, सुभाष मेहरा, डॉ.प्रभाकर गुप्ता, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ.अनुज कुमार, डॉ. ऋतु सिंह, सौरभ गुप्ता, डॉ.सत्य देव व साक्षी गोयल सहित अन्य मौजूद रहे।